भ्रमण आख्या

भ्रमणकर्ता अधिकारी का नामः

1.अरविंद उपाध्याय, तकनीकि परामर्शदाता, परिवार नियोजन।

2.कौशल सिंह बिष्ट, डिव0 पी0एम0, (आर0एण्डई0)।

3. एस0पी0जायसवाल, डेटा एनालिस्ट, एम0आई0एस0।

भ्रमण की तिथिः दिनांक 19 से 22 सितम्बर 2017

टीम द्वारा जनपद में आवंटित तीन ब्लाकों मंझनपुर, चायल एवं कौशाम्बी (कनेली) का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान पाये गये महत्वपूर्ण बिन्दुओं का वर्णन इकाईवार निम्नानुसार है।

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी।

- जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 दीपेन्द्र मालवीय तैनात हैं। जनपद में 5 अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं 1 उप मुख्य चिकित्साधिकारी तैनात है। 2 अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अण्डर ट्रांसफर है। 1 अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 मंजू भल्ला के बारे में बताया गया कि वह चाईल्ड केयर लीव पर हैं।
- कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी का नवीन भवन तैयार हो चुका है किन्तु बाउण्ड्रीवाल न होने की वजह से कार्यालय स्थानांतरित नही किया गया है।
- सहयोगात्मक पर्यवेक्षण एवं आर0बी0एस0के0 के अंतगर्त लिये गये वाहनों का टेण्डर पॉच वर्ष पूर्व किये गये थे। **तत्पश्चात प्रत्येक वर्ष बिना टेण्डर के पुर्नअनुबंध किया जा रहा है।**
- सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत जनपद मुख्यालय पर दो वाहनों का विगत पॉच वर्षो से पुर्नअनुबंध किया गया हैं। एक वाहन संख्या UP32 DN 5825 का उपयोग मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी द्वारा किया जा रहा है। यह वाहन सहयोगात्मक वर्यवेक्षण में किसी भी अन्य अधिकारी को नही दिया जाता है। दूसरा वाहन UP70 ET 1796 के संबंध में लेखा लिपिक द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त वाहन तत्कालीन जिलाधिकारी, कौशाम्बी द्वारा लिया गया हैं। जनपद स्तर पर एन0एच0एम0 द्वारा उक्त दो वाहनों से कोई भी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नही किया जा रहा है।
- **वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी श्रीमती विभा द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 में मात्र दो दिन दिनॉक 17 सितम्बर एवं 19 सितम्बर 2017 को स्वास्थ्य इकाईयों को फण्ड ट्रांसफर कराया गया। लेखा लिपिक द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त अधिकारी अधिकांश अनुपस्थित रहती है। इस कारण जनपद से फण्ड ट्रांसफर, वेतन भुगतान लंबित रहता हैं।**
- जनपद स्तर से भुगतान हेतु पत्रावली लेखा लिपिक द्वारा न बनायें जाने से भुगतान लंबित होते हैं।
- मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का पुराना सामान, कबाड़, पुराने वाहन अत्यधिक खराब हालात में पडे हुए पाये गये।
- जनपद स्तर पर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण चेकलिस्टें देखने को नही मिली और न ही पोर्टल पर अपलोड की गई है।
- जनपद मुख्यालय स्तर पर तीन स्टोर बनाये गये है जहॉ अव्यवस्थित तरीके से उपकरणों एवं दवाओं को रखा पाया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर

- कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, मंझनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में संचालित है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के समस्त अधिकारी/दवा भण्डार आदि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर के प्रांगण में स्थापित हैं।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर में प्रसव सेवा उपलब्ध नही है। प्रसव इकाई को जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में स्थापित एम0सी0एच0 विंग में 6 बेड स्थापित कराकर कराया जा रहा है। अतः जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में प्रसव दो स्वास्थ्य इकाईयों यथा डी0सी0एच0 एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर पर संपादित कराया जा रहा है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर के ऑपरेशन थियेटर में मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी के बैठने का कक्ष स्थापित है। अतः महिला नसबन्दी और पुरूष नसबंदी जिला संयुक्त चिकित्सालय में कराई जाती है और भुगतान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर से किया जाता है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुख्य भवन में चिकित्सकों हेतु मात्र एक कक्ष आवंटित किया गया था। अन्य कक्षों में स्टोंर, लिपिक कार्यालय, बी0पी0एम0यू0 स्थापित किया गया था। अन्य कक्षों में जनपद के भण्डार बनाये गये पाये गये।
- आर0बी0एस0के0 वाहनों हेतु जनपद स्तर पर स्पष्ट निर्देश न दिये जाने के कारण टीम को बच्चों के 4 डी0 हेतु इलाज की आवश्यक्ता होने पर मेडिकल कालेज के लिए नहीं भेजी जाती।
- आर0बी0एस0के0 टीम के द्वारा रिकार्ड मेण्टेन उचित तरीके से नही किया जा रहा था।
- गाड़ियों की लॉग–बुक मानकानुसार मेण्टेन नही की जा रही हैं। लागबुक में मीटर रीडिंग के स्थान पर कि0मी0 लिखा जा रहा है।
- ब्लाक मंझनपुर पर उपलब्ध कराई गई वाहन यूपी0 70 AT 1796 गाड़ी का सत्यापन किया गया किन्तु समस्त चेकलिस्ट पुराने फार्मेट पर भरी गई है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मझनपुर में प्रत्येक कक्ष में सफाई का अभाव पाया गया। जनपदीय अधिकारियों के कक्ष भी गन्दे पाये गये। मुख्य चिकित्साधिकारी के कक्ष के टायलेट में मधुमक्खी का छत्ता पाया गया जिसे तुरन्त ही साफ कराया गया। टायलेट अत्यधिक गंदे पाये गयें। परिसर में घास बडी बडी उगी हुई पाई गई। परिसर में पानी निकासी का उचित प्रबंध नही पाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर के प्रवेश द्वार पर गढढे की वजह से जलभराव पाया गया।
- मंझनपुर पी0एच0सी0 में आपरेशन थियेटर की सुविधा न होने से जिला अस्पताल में नसबन्दी की जाती है, परन्तु नसबन्दी की रिर्पोट एचएमआईएस पोर्टल पर जिला अस्पताल एवं पी0एच0सी0 मंझनपुर दोनों ही चिकित्सालयों द्वारा अपडेट किया जाता है।
- स्वास्थ्य इकाई पर नसबन्दी रजिस्टर उपलब्ध नही था। एच0एम0आई0एस0 फार्मेट एवं आर0सी0एच0 रजिस्टर वर्ष 2016–17 का उपलब्ध नही था।
- एन0एच0एम0 फण्ड द्वारा किये गये क्रय की स्टाक बुक उपलब्ध नही थी।
- एम0सी0टी0सी0 ऑपरेटर का मानदेय माह जून 2017 के बाद से एजेंसी से भुगतान नही किया गया है।
- ब्लाक पर बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण हेतु उचित व्यवस्था आज दिनॉक तक नही की गई हैं। समस्त अस्पताली कचरा खुले में फेका जाता है।
- जे0एस0वाई0 पेमेण्ट एवं आशा पेमेण्ट नियमित रूप से किया जा रहा है। जे0एस0वाई0 भुगतान हेतु पुराने फार्म का उपयोग किया जा रहा है।

- मंझनपुर इकाई पर पुराना सामान कबाड़ अत्यधिक मात्रा में पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।
- एच0एम0आई0एस0 रिपोर्ट में सक्षम वेलिडेशन कमेटी के सदस्यों के हस्ताक्षर नही पाये गये। पोर्टल एवं रिपोर्ट में ऑकड़ों में विभिन्नता पाई गईं। डैशबोर्ड उपलब्ध नही था। सभी कम्प्यूटरों में रजिस्टर्ड एण्टी वायरस उपलब्ध नही था।
- जनरेटर में खराब बैटरी होने के कारण जनरेटर स्टार्ट नही किया जा सका। अविलम्ब बैटरी चेंज कराई गई।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पी0एच0सी0 चायल

- परिसर के प्रवेश द्वार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चायल का बोर्ड जंग लगा हुआ था। जिसे रंगने हेतु कहा गया।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रत्येक कक्ष में अपार गंदगी पाई गईं। शौचालय बजबजा रहा था। जल निकासी का कोई इंतजाम नही था। सोख्ता पूरे भरे हुए थे। शौचालय में पानी की व्यवस्था अत्यधिक खराब थी।
- परिसर की सफाई अत्यधिक असंतोषजनक पाई गई। कमरों के दरवाजे/खिडकियॉ/जालियॉ अत्यधिक जर्जर हालत में पाये गये। बिजली की वायरिंग दयनीय स्थिति में थी।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चायल की नई सी0एच0सी0 चायल में ही बनी हुई है। अप्रोच रोड न बनने के कारण अभी तक सी0एच0सी0 को मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा हस्तांतरित नही कराया गया हैं। लाखों रूपये के उपकरण एवं सामग्री सी0एच0सी0 पर बेकार पड़ी हुई है। आशाओं की मासिक बैठक/प्रशिक्षण सी0एच0सी0 भवन में कराई जाती है।
- ब्लाक में कई जे0एस0वाई लाभार्थियों का भुगतान नही किया गया पाया गया। मौके पर आशाओं द्वारा 6 लाभार्थियों को 2015–16, 2016–17 एवं 2017–18 में जे0एस0वाई0 का भुगतान अभी तक प्राप्त न होने के बारे में बताया गया।
- परिसर में अधिकांश बेड/स्टूल आदि में जंग लगा था। जिसे रंगने हेतु निर्देशित किया गया।
- परिसर में कई कक्षों में स्टोर बनाया गया था। प्रत्येक स्टोर में सामग्री अव्यवस्थित तरीके से रक्खी गई थी। आई0ई0सी0 की सामग्री स्टोर में सीलन/जलभराव होने के कारण खराब हो रही थी। आशा किट को स्टोर से निकलवा कर वितरित कराया गया। स्टाफ नर्सो को प्र्याप्त मात्रा में ग्लब्ज एवं अन्य सामग्री दिलाई गई।
- तीन हैण्ड पम्प खराब है एवं पी0एच0सी0 पर एक पानी की टंकी एवं मोटर की आवश्यकता है।
- गंदगी की पी0एच0सी0 परिसर में चारों ओर भरमार है।
- जनरेटर को कभी कभार चलाया जाता है।
- एल0आर0 में कुत्ते काटे के इंजेक्शन एवं एच0आई0वी0 टेस्टिंग किट ठूस ठूस कर भरी गई थी। ट्रे निकालकर बाहर अलमारी के ऊपर रक्खी गई थी।
- प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं अन्य स्टाफ के बीच सामंजस्य का अभाव पाया गया। बी0पी0एम0यू0 के कर्मी अत्यधिक कर्मठ हैं किन्तु उनके बीच कार्यो का स्पष्ट विभाजन न होने एवं सुविधाओं को न दिये जाने के कारण डिमोटिवेट पाये गये।

- नर्स मेण्टर का कार्य संतोषजनक पाया गया। प्रसव कक्ष में मानकानुसार व्यवस्थायें/प्रोटोकाल का पालन किया जा रहा था। स्किल लैब भी निर्मित थी। लैब में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।
- ऑपरेशन थियेटर में सुधार का कार्य चल रहा था।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कय कार्य प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा स्वयं किया जाता है। बिल वाउचरों की स्थिति अच्छी नही पाई गई। रिकार्ड मेण्टेन नही पाया गया।
- एच0एम0आई0एस0 मासिक रिपोर्ट प्रपत्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उपकेन्द्र की वैलिडेशन कमेटी से हस्ताक्षरित रिपोर्ट नही पाई गई।
- एच0एम0आई0एस0 फार्मेट एवं आर0सी0एच0 रजिस्टर उपलब्ध नही था।
- सभी कम्प्यूटरों में रजिस्टर्ड एण्टी वायरस उपलब्ध नही था। डैश बोर्ड नही था।
- स्वास्थ्य केन्द्र पर दो कम्प्यूटर उपलब्ध थे जिसमें से एक प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अपने कक्ष में स्थापित करने से कार्य नही हो पा रहा था।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उपकेन्द्र– कसेन्दा, चायल।

- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 सावित्री श्रीवास्तव द्वारा एक प्राईवेट दाई को रक्खा गया था।
- 1 अप्रैल 2017 से भ्रमण तिथि 20 सितम्बर 2017 तक कुल 166 प्रसव हुये है।
- शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई। शौचालय का आउटलेट मिटटी से भरा हुआ पाया गया।
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- उपकेन्द्र पर कबाड पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 चायल को निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- वार्ड में विघुत आपूर्ति 24 घण्टे जारी रखने हेतु निर्देशित किया गया।

उपकेन्द्र– सल्लाहपुर, चायल।

- ए0एन0एम0 निर्मला एवं आशा गुप्ता द्वारा प्रसव कराया जा रहा था। इस केन्द्र पर एक स्टाफ नर्स अंशिका कुमारी भी तैनात की गई हैं। अब तक इस वर्ष 700 प्रसव कराये जा चुके है। मुख्य द्वार पर बोर्ड नही लगा था।
- समरर्सिबल मशीन एवं पानी की टंकी की आवश्यकता है। बिजली का कनेक्शन नही लिया गया है। उचित प्रबन्ध नहीं है। गैरकानूनी तरीके से कटिये के द्वारा बिजली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रभारी चिकित्साधिकारी, चायल एवं कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी द्वारा बिजली कनेक्शन के लिए पहल कभी नही की गई।
- शौचालय के सोकपिट एवं बायो मेडिकल वेस्ट के लिए गडढे नहीं है। प्लेसेन्टा निस्तारित करने की कोई भी उचित व्यवस्था नहीं है। खुले में प्लेसेंटा फेंका जाता है।
- सीवर की समस्या से उपकेन्द्र पर जल भराव एवं बदबू की भरमार है।
- उपकेन्द्र के टायलेट धंस गये है। जिनमें गंदगी हमेशा बनी रहती है।
- शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय है, जिसमें दरवाजे एवं फर्श पूरी तरह से टूटा हुआ है।

- प्रसव कक्ष में टाइल्स नहीं लगा हुआ है तथा कमरे के दो दरवाजे भी टूटे हुये हैं जिसे बदलने की आवश्यकता है।
- खडण्जा एवं शौचालय हेतु मौके से ही ग्राम प्रधान से आग्रह किया गया है।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- प्रसव कक्ष एवं जे0एस0वाई वार्ड के बीच खुली छत को ढकने हेतु टीन शेड लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- बेबी वार्मर मशीन खराब पडी हुई थी।
- दवाईयों में पी0सी0एम0, डिक्लोंफिनेक, आक्सीटोसिन, विटामिन के0, सिरिंजेस तक उपलब्ध नही थी। ग्लब्ज का अभाव था।
- जननी सुरक्षा योजना फार्म पुराना उपयोग किया जा रहा था। केन्द्र पर ब्लीलिचिंग एवं फिनायल का अभाव पाया गया।
- अधिकांश फर्निचर, बेड जंग लगी हुई थी।

राजकीय महिला चिकित्सालय एवं नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चरवा, चायल।

- एडिशनल पी0एच0सी0 एवं राजकीय महिला चिकित्सालय नाम से दो केन्द्र संचालित हो रहे हैं परन्तु एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर दोनों केन्द्रों की उपलब्धि एडिशनल पी0एच0सी0 में ही दर्शायी जा रही है। चिकित्सालय में अब तक 399 प्रसव कराये जा चुके है। प्रसव कक्ष में सेवायें मानकानुसार नही दी जा रही थी। शौचालय बदबू युक्त था। नियमित सेवा की दाई द्वारा सफाई का कार्य नही किया जा रहा था। चिकित्सालय में परदे नही थे। परदे फार्मासिस्ट द्वारा अपनी अलमारी में रक्खे हुए थे। नवजात शिशुओं को रैप करने हेतु जनपद से दिये गये तौलियों को फार्मासिस्ट द्वारा अपनी अलमारी में रक्खा हुआ था। किसी भी नवजात को तौलिया नही दिया गया था। संज्ञान में लाया गया कि स्टाफ नर्स विधा विश्वकर्मा द्वारा अपने डयूटी टाईम में प्राईवेट दाई की सेवायें ली जा रही है।
- राजकीय महिला चिकित्सालय में दो महिला चिकित्सक, दो स्टाफ नर्स एवं दो फार्मासिस्ट तैनात हैं। जिनका आपस में सामन्जस्य नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात्रि में कोई चिकित्सक चिकित्सालय में नही रहता है। स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट द्वारा एम0टी0पी0 किये जाने की शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा की गई। डयूटी पर तैनात स्टाफ नर्स ने बताया कि प्रसव कक्ष में इन्वर्टर रात्रि में कार्य इसलिए नही करता क्योंकि इन्वर्टर से तार को हटा कर ओ0पी0डी0 कक्ष बंद कर दिया जाता है।
- डयूटी स्टाफ नर्स को दवाइयॉ एवं प्रसव सम्बन्धी सामग्री उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। डयूटी स्टाफ नर्स के पास आवश्यक सामग्री को रखने हेतु कोई अलमारी उपलब्ध नही थी।
- संज्ञान में आया है कि एक स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट द्वारा दूसरी स्टाफ नर्स के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनैली।

- चिकित्सालय में हौम्योपैथी एवं युनानी चिकित्सक द्वारा अंग्रेजी दवाईयॉ मरीजों को लिखी जा रही थी। आर्युवेद की दवायें चिकित्सालय में उपलब्ध थी।

- चिकित्सालय परिसर को साफ सुथरा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। टायलेट भूतल पर गन्दे पाये गये। बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये गये।
- चिकित्सालय आई0ओ0एल0 सेण्टर होने के बावजूद फंकशनल माईक्रोस्कोप एवं ट्रायल बाक्स नया उपलब्ध नही था। नेत्र चिकित्सक डा0 ए0के0आर्या द्वारा उक्त सामग्री की व्यवस्था किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
- दो माह से नर्स मेण्टर (टी0एस0यू0) छुट्टी पर है।
- चिकित्सालय में डयूटी स्टाफ नर्स ने बताया कि बिना प्रशिक्षण के दो एच0आई0वी0 पाजीटिव प्रसूता महिला का प्रसव कराया गया। एच0आई0वी0 संक्रमण से बचाव की सामग्री स्टाफ नर्स की जानकारी में नही है।
- परिसर में साफ–सफाई एवं रंगाई –पुताई का अभाव पाया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- भर्ती प्रसूता महिलाओं को भोजन दिया जा रहा था। रजिस्टर में दिये गये भोजन का विवरण लिखने का निर्देश दिया गया था।
- रोगियों के बैठने हेतु कुर्सियों की व्यवस्था प्रतीक्षालय में किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उपकेन्द्र– मयोहर, कनैली।

- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 मंटू सिंह एवं स्टाफ नर्स रिंकी चौधरी तैनात है।
- शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई। शौचालय का आउटलेट मिटटी से भरा हुआ पाया गया।
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- उपकेन्द्र पर कबाड पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 कनैली को निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- पानी हेतु हैण्डपम्प लगा हुआ था।
- उपकेन्द्र पर नर्स मेण्टर के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था।

उपकेन्द्र– बेरूई, कनैली।

- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 माधुरी देवी तैनात है। अब तक कुल 38 प्रसव हुये है। नियमित सेवा की ए0एन0एन0 माधुरी देवी को 01 अप्रैल 2017 से अब तक वेतन नही दिया गया हैं।
- शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई।
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- उपकेन्द्र पर कबाड पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 कनैली को निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- पानी हेतु हैण्डपम्प लगा हुआ था।
- उपकेन्द्र पर नर्स मेण्टर के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था।
- उपकेन्द्र पर तौलिये, प्रसव टेबल, बेड की आवश्यक्ता है।

उपकेन्द्र– नटका, चायल।

- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 सुमन तिवारी तैनात है। अब तक कुल 110 प्रसव हुये है। नियमित सेवा की ए0एन0एन0 सुमन तिवारी तैनात है।
- भवन की रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई।
- **उपकेन्द्र को देखने से लगा कि यहॉ प्रसव नही होते हैं। आस पास के लोगों से ज्ञात हुआ कि ए0एन0एम0 इलाहाबाद से अप डाउन करती है। प्राईवेट दाई के सहारे प्रसव केन्द्र से 2 कि0मी0 दूर प्रो0 राजू गुप्ता की दुकान राशि कास्मेटिक एवं गिफट सेण्टर के बगल में किराये का एक कमरा लेकर प्रसव कराये जाते है। साथ ही गर्भपात की सेवा भी दी जाती है। प्रो0 राजू की दुकान के बगल के कमरे में प्रसव कराये जाने की जानकारी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं जनपद के स्वास्थ्य के अधिकांश अधिकारियों एवं कर्मियों को होने की पुष्टि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मै तैनात स्वास्थ्य कर्मियों एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी, चायन द्वारा की गई।**
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। मरम्मत के साथ साथ रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- उपकेन्द्र पर गन्दगी पाई गई जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 चायल को निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- पानी हेतु हैण्डपम्प लगा हुआ था जो कि खराब पाया गया।
- उपकेन्द्र पर तौलिये, प्रसव टेबल, बेड की आवश्यक्ता है।
- उपकेन्द्र की ए0एन0एम0 को किसी भी ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति का सदस्य नही बनाया गया है। अतः ग्राम पंचायत का सहयोग उपकेन्द्र को प्राप्त नही होता है।
- नर्स मेण्टर, चायल को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह में स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर प्रसव कक्ष एवं अन्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुधारने हेतु प्रयास सुनिश्चित किया जाये।

नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– करारी, मंझनपुर।

- केन्द्र पर ए0एन0एम0 पूनम भारती तैनात है। अब तक कुल 890 प्रसव हुये है।
- टाउन एरिया में आशा की नियुक्ति नही है। ऑगनवाडी से सहयोग न मिलने की बात ए0एन0एम0 द्वारा कही गई।
- दवाओं को बन्द कमरे में रक्खा गया है जहॉ सीलन बनी हुई है। वेंटिलेशन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई। शौचालय चोक पाया गया। इकाई पर बिजली का काम किये जाने की आवश्यक्ता है। केन्द्र के पीछे सुअर विचरित करते हुए पाये गये। गंदगी/कीचड़ पर्याप्त मात्रा में भरा हुआ था। बदबू चारो तरफ से आ रही थी। सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- पुराना सामान/फर्नीचर पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 मंझनपुर को निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- नर्स मेण्टर–टी0एस0यू0 के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था। प्रसव कक्ष में अत्यधिक जंग लगी हुई प्रसव टेबुल को तुरन्त बदलने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिये गये।
- उपकेन्द्र पर तौलिये, प्रसव टेबल, बेड की आवश्यक्ता है।

- युनानी चिकित्सक डा0 इरशाद अहमद आयुर्वेदिक दवा वितरित करते हुए पाये गये। इकाई एल–2 है लेकिन सुविधायें एल–1 की दी जा रही है।

उपकेन्द्र– गुवरा, मंझनपुर।

- उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 मीना देवी तैनात है। ए0एन0एम0 निवास बनाकर रहती है। केन्द्र पर बिजली का कनेक्शन नही दिया गया हैं। उपकेन्द्र के भीतर प्राचीन काल की तेल की डिबरी पाई गई जो रात्रि में प्रसव हेतु उपयोग में लाई जाती है। हैण्डपम्प सडक के किनारे लगा हुआ हैं। शौचालय पानी के अभाव में अत्यधिक गन्दे पाये गये। अब तक कुल 126 प्रसव हुये है।
- बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया।
- डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- उपकेन्द्र पर नर्स मेण्टर के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था।
- उपकेन्द्र पर अलमारी, कुर्सी, मेज, बेड आदि दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

दिनॉक 21 सितम्बर 2017 को जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, कौशाम्बी की अध्यक्षता में भ्रमण उपरान्त फीडबैक बैठक की गई जिसमें जनपद के समस्त जनपदीय/ब्लाक अधिकारियों/प्रबंधकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में प्रत्येक टीम द्वारा फीडबैक दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा फीडबैक सुनने के बाद जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि:–

1. मुख्य चिकित्साधिकारी अपने कार्यालय को नवीन भवन में स्थानांतरित करना सुनिश्चित करें।
2. कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपदीय पी0एम0यू0, हैल्थ पार्टनर्स, समस्त ब्लाक स्तरीय सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बी0पी0एम0यू0 में तैनात समस्त अधिकारियों/प्रबंधकों/कर्मचारियों के मध्य समन्वय उच्च कोटि का स्थापित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
3. दिनॉक 22 सितम्बर 2017 से समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला संयुक्त चिकित्सालय, कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी प्रातः 7 बजे से नियमित रूप से श्रमदान करते हुए सफाई सुनिश्चित करायेंगे।
4. कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद में समस्त आई0ई0सी0 को कराना सुनिश्चित करायेंगे। आई0ई0सी0 के प्रोटोटाईप डी0पी0एम0 द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध कराते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करायेंगे।
5. जनपद कौशाम्बी में कार्यरत समस्त स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/ चिकित्साधिकारियों/ प्रबंधकों/कर्मियों का व्हाटसएप समूह बनाया जाये जिसमें राज्य स्तर के अधिकारियों को भी शामिल कर लिया जाये।
6. कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी एवं ब्लाक की समस्त इकाईयों में वित्तीय लेखा रिकार्ड एवं कार्यक्रमों के रिकार्ड का रखरखाव मानकानुसार एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के कमिटेड धनराशि को छोडकर अन्य कमिटेड धनराशि को एक सप्ताह में व्यय करना सुनिश्चित करें।
7. कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी एवं ब्लाक स्वास्थ्य इकाईयों में पडे कबाड़ को निस्तारित कराने की कार्यवाही मुख्य चिकित्साधिकारी कराना सुनिश्चित करें।
8. जनपद में स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों को सी0आर0एम0 दल के आने के पूर्व पूर्ण कराने की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से समस्त अधिकारियों/कर्मियों में वितरित की जानी सुनिश्चित की जाये।
9. एच0एम0आई0एस0 वेलिडेशन कमेटी के सदस्य नियमित रूप से ऑकड़ों की पुष्टि करना सुनिश्चित करें।

10. जनपद की समस्त एल–3, एल–2 एवं एल–1 इकाईयों में रिपेयरिंग/शौचालयों की रिपेयरिंग, सोक पिट का निर्माण, बायोमेडिकल वेस्ट हेतु पिट निर्माण का कार्य विभागीय जे0ई0 द्वारा 15 कार्यदिवसों के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाये।
11. जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों, आशा का भुगतान शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें।
12. राज्य स्तरीय दलों द्वारा मौके पर दिये गये निर्देशों का अक्षरक्ष पालन सुनिश्चित किया जाये।

26/09/2017

(एस0पी0जायसवाल)
डेटा एनालिस्ट,
एम0आई0एस0

26/9/17

(अरविंद उपाध्याय)
तकनीकि परामर्शदाता,
परिवार नियोजन।

26/9/17

(कौशल सिंह बिष्ट)
डिव0 पी0एम0,
(एम0एण्डई0)

Photographs attached Page 10 to 17